शैक्षिक सत्र–2025–26
अष्टम् प्रश्न–पत्र
(कृषि–जन्तु विज्ञान)
सिद्धान्त

1–(अ) जीव द्रव्य का रासायनिक संगठन, भौतिक गुण एवं जैविक गुण। सजीव, निर्जीव में भेद। 10
(ब) अमीबा/पैरामीशियम जैसे–जन्तुओं द्वारा जीवित पदार्थ का अध्ययन।

2–निम्नलिखित के वाह्य आकार, स्वभाव तथा जीवन–वृत्त का अध्ययन– 10
(क) अकशेरुकीय–गोलकृमि, केचुआ, तिलचट्टा, रेशम का कीट, मधुमक्खी एवं दीमक।
(ख) कशेरुकीय–किसी एक पक्षी तथा एक स्तनधारी (गिलहरी या खरगोश)।

3–निम्नलिखित की आन्तरिक संरचना– 10
केचुआ, तिलचट्टा तथा खरगोश।

4–(क) स्तनधारी के आमाशय, फुफ्फुस, वृक्क तथा रुधिर की आन्तरिक संरचना का प्रारम्भिक अध्ययन। 10
(ख) पाचन, श्वसन तथा उत्सर्जन की क्रिया–विज्ञान का साधारण ज्ञान।

5–(क) अनुच्छेद–2 के जन्तुओं का वर्गीकरण। 10
(ख) मानव अनुवांशिकी का प्रारम्भिक ज्ञान लिंग निर्धारण, हीमोफिलिया, वर्णान्धता।।
(ग) कोशा विभाजन का महत्व, अर्ध सूत्री विभाजन।

प्रयोगात्मक

1–सिद्धान्त पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अनुच्छेद 1(क), 2(क) व 2(ख) के जन्तुओं की पहचान। 10

2–सिद्धान्त पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 2 के जन्तुओं का वाह्य आकार एवं जीवन वृत्त का अध्ययन दीमक, तिलचट्टा गोलकृमि। 06

3–प्रोजेक्ट कार्य– 06
(क) कृषि फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले जन्तुओं की सूची।
(प्रत्येक फाइलम से कम से कम एक जन्तु) तैयार करें।
(ख) फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले किन्हीं दो जन्तुओं के मुखांगों का चार्ट/मॉडल के माध्यम से अध्ययन अकशेरुकी अथवा पक्षी या स्तनधारी के संदर्भ में,

नोट–विषय अध्यापक छात्र की सुविधानुसार प्रोजेक्ट कार्य निर्धारित करेंगे।

4–स्पॉट पहचान (06 स्पॉट)– 12
(क) स्थायी स्लाइड का अध्ययन–सिद्धान्त पाठ्यक्रम–4(क) के अन्तर्गत उल्लिखित पदार्थों के स्थायी आरोपण का अध्ययन, सूक्ष्मदर्शीय ज्ञान वृक्क की अनुप्रस्थ काट।
(ख) उत्तर प्रदेश में पाये जाने वाले कृषि महत्व के साधारण पक्षियों की पहचान, वर्गीकरण का ज्ञान तथा उनके नाम।

5–सत्रीय कार्य– 08
प्रयोगात्मक उत्तर पुस्तिका जो कि अध्यापक द्वारा हस्ताक्षरित हो तथा जिसमें परीक्षार्थी का वास्तविक कार्य हो, प्रस्तुत करना होगा।

6–मौखिक– 08
(क) मौखिक प्रश्न–सैद्धान्तिक भाग में दिये गये पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सामान्य ज्ञान सम्बन्धी प्रश्न आधारित होंगे।
(ख) सम्बन्धित जन्तुओं का संग्रह।

पुस्तकें–

कोई पुस्तक संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालय के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

अधिकतम अंक : 50 न्यूनतम उत्तीर्णांक : 16 समय : 03 घंटा

1–वाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन – 25 अंक	**निर्धारित अंक**
1–जन्तुओं एवं वस्तुओं की पहचान–	07 अंक
2–दिये गये पदार्थों का सूक्ष्म विवेचन–	05 अंक
3–सूक्ष्मदर्शीय स्लाइड की पहचान–	07 अंक
4–मौखिक	06 अंक
2–आन्तरिक परीक्षक द्वारा मूल्यांकन – 25 अंक	
5–प्रोजेक्ट कार्य–	08 अंक

6–अभ्यास पुस्तिका– 10 अंक

7–मौखिक एवं सत्रीय कार्य (प्रयोगात्मक)– 07 अंक

नोट–अभ्यास पुस्तिका एवं प्रोजेक्ट कार्य विद्यार्थियों द्वारा परिषदीय प्रयोगात्मक परीक्षा के समय प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा–

व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु जो विद्यालय प्रयोगात्मक परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये जायेंगे, उन विद्यालयों के सम्बन्धित विषयों के अध्यापक/प्रधानाचार्य द्वारा आन्तरिक परीक्षक रूप में व्यक्तिगत परीक्षार्थियों को पचास प्रतिशत अंक प्रदान किये जायेंगे, शेष पचास प्रतिशत अंक वाह्य परीक्षक द्वारा देय होंगे।